खण्ड-II
मैथिली

प्रो० संजीत कुमार राम
(अतिथि शिक्षक)
मैथिली विभाग
V.S.J. College, Rajnagar
Madhubani (L.N.M.U)

पंचमासिक रचना रावण-अंगद-संवाद :-

रामकथा पर भारतक विभिन्न भाषा मे अनेक प्रकारक रामायण लिखल गेल अछि। मिथिलाक्षांचलु मे कवीश्वर चन्दा झा 'मिथिला भाषा रामायण'क रचना कयलन्हि। रामकथाक मूल आधार पर कतेकरास आवान्तर कथाक सेहो सन्निवेश कयल गेल अछि। 'रावण-अंगद-संवाद' ओही कथा-संग्रह मे सँ एकगोट रोचक ओ मनोरम कथा अछि।

एहि कथान्तर्गत रावण ओ अंगदक बीच रावणक सभामध्य जे वार्तालाप भेल अछि तकर चर्चा कयल गेल छैक।

पहिने तँ रावण कुलक नाश करबाक लेल अंगद अपना के कहल। कहि परिचय देत छथि ओ पुनः अपना के बालिपुत्रक संगहि उदंड कहि उपस्थित करैत छथि। संगहि रावण सँ कहैत छथि जे माता सीता के सम्मानपूर्वक राम के समर्पित कऽ दियनु किएक तँ संग्राम मे हुनका केओ नहि जीति सकैत अछि।

एहि पर रावण क्रोधित आबि बजलाह – यम, कुबेर, इन्द्र सन हमार वशीभूत छथि, हमरा दश मुख ओ बीसटा हाथ अछि, कैलाश पर्वत के हम उठौने छी। राम-लक्ष्मण केहन खीरा-काँकड़ि जकाँ, कतेक छथि। ई रावणक आत्मप्रशंसा। ई अंगद अत्यन्त रौद्र रूप धारण कए अपमान ओ व्यंग्ययुक्त भाषाक संग कर्कश वाक्यक प्रयोग करैत रावणके अधम, वनिता-चोर कहैत बजलाह –

सुयश कतहु नहि तोर, रे रे राक्षस अधम तों।
धिक धिक वनिता चोर, दुर्वचन गति हम करब।।

अंगदक ई कठोर वचन सुनि रावण क्रोध सँ थर-थर काँपय लगैत छथि। ओ अंगद के धिक्कारैत कहैत छथि जे ओहि तपस्वीक गुणगान मे तोरा कनेको संकोच नहि भए रहल छहु जे तोहर बापक वध कएने छहु। एहन कुल-कलंकी पुत्रक मारब बरु आँखि राहि जइतौं। रावण कहैत छथि –

"धिक अंगद युवराज, तपस्वी दूत कहाबय।
जे मारल छल बालि तनिक जय सतत मनाबय।।"

एहि पर अंगद कहैत छथि जे तों तँ एहन पराक्रमी छह जे एकटा साधारण लक्ष्मण-रेखा पर्यन्तके लाँघि नहि सकलह। हनुमान द्वारा लंका दहन बिसरि गेलह, तोहर पुत्र अक्षय कुमार

मारल गेलहु तखनिये निश्चिन्त नहि भए रहल छहु।
अंगदवचन, सेहो लेल चन्दाझाक उक्ति अछि—

"लक्ष्मण केर धनुरेख, लाँघि न सकला सूप मे।
हनुमान-बल देख, मान रहित लंका कएल॥"

आश्चर्यचकित भए रावण राम-लक्ष्मणक परिचय, मानव रूप मे सुनि सुरपतिजयी अपना संग हुनक तुलना करैत कहि।

"केहेन मानव राम, के लक्ष्मण हनुमानके।
करत कठिन संग्राम, हम रावण सुरपतिजयी॥"

एहि रूपे रावण-अंगद-संवाद क वर्णन कवीश्वर चन्दा झा अत्यन्त रोचक ढंग सँ प्रस्तुत कएलनि अछि।

Samjeet Kumar
18/07/20

Scanned by TapScanner